Marking Scheme SET-4 Political Science

1. A

2. D

3. C

4. A

5. D

6. A

7. C

8. जनता पार्टी

Janta Party

9. 1973

1973

10. भारतीय जनता पार्टी

Bhartiya Janata Party

11.शॉक थेरेपी' शब्द का अर्थ, विश्व बैंक और आईएमएफ के प्रभाव से एक समाजवादी देश को पूंजीवादी देश बनने का संक्रमणकालीन मॉडल था।

The term 'Shock Therapy' meant the transitional model from being a socialist country to a capitalist country influenced by the World Bank and the IMF.

12. याह्या ख़ान

Yahya Khan

13. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन

South Asian Association for Regional Cooperation

14. सिलोन

Ceylon

Downloaded from cclchapter.com

15. भारत

India

16. लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (LTTE)

Liberation Tigers of Tamil Eelam (LTTE)

17. एंटोनियो गुटेरेस

António Guterres

18. मार्क्सवाद-लेनिनवाद

Marxism–Leninism

19. C

20. B

21. 1.मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के हितों की रक्षा के लिए ही मुसलमानों के लिए एक अलग राष्ट्र की मांग की। 2. कुछ हिंदू संगठन ऐसे भी थे जो भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के लिए ही हिंदुओं के हितों का ध्यान रखते थे।

1.Muslim League demanded a separate nation for Muslims to protect the interests of Muslims only. 2. There were some Hindu organisations also which made efforts to look after the interests of Hindus only to make India a 'Hindu Nation.

22.भारत में कांग्रेस का प्रभुत्व निम्नलिखित कारणों से था: 1. कांग्रेस की पहचान राष्ट्रीय एकता और एकजुटता के निर्माण के लिए स्वतंत्रता संग्राम से थी। 2. कांग्रेस के साथ महात्मा गांधी का नाम जुड़ा था।

The dominance of Congress in India was due to following reasons: 1. Congress was identified with the freedom struggle for building national unity and solidarity. 2. Congress was associated with Mahatma Gandhi's name.

OR

Downloaded from cclchapter.com

1. ये चुनाव विभिन्न दलों के बीच प्रतिस्पर्धी थे। 2.नतीजे बहुत निष्पक्ष तरीके से घोषित किए गए, यहां तक कि हारने वालों ने भी उन्हें निष्पक्ष तरीके से स्वीकार कर लिया।

1. These elections were competitive among various parties. 2. The results were declared in a very fair manner even to be accepted by the losers in a fair manner.

23. 1.गठबंधन सरकारों के पास दीर्घकालिक योजना और दृष्टिकोण नहीं हो सकता है। 2. विभिन्न विचारधाराओं और नीतियों में विश्वास करने वाले विभिन्न पार्टी नेताओं की उपस्थिति के कारण राजनीतिक स्थिरता हासिल करना मुश्किल है। इसलिए राजनीतिक अस्थिरता बनी रहती है।

1.Coalition governments cannot have long term planning and view.2.Due to the presence of various party leaders believing in different ideologies and policies political consistency is difficult to achieve. Hence political instability persists.

OR

इस कथन का समर्थन किया जा सकता है - राजनीतिक दल किसी विशेष उद्देश्य या कार्यक्रम के लिए हाथ मिलाते हैं, न कि अपनी मान्यताओं में समानता के लिए।

चुनाव के दौरान राजनीतिक दल नागरिकों पर अपना प्रभाव डालने के लिए और सत्ताधारी दल उन्हें डराने-धमकाने के लिए गठबंधन बनाते हैं।

This statement can be supported

Political parties join their hand for specific purpose or programs, not for the similarity in their beliefs.

Political parties make alliance to put their influence on the citizens and the ruling party to threaten them during the election.

24.अयोध्या विवाद भारत में एक राजनीतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक-धार्मिक बहस है, जो उत्तर प्रदेश के अयोध्या शहर में भूमि के एक भूखंड पर

Downloaded from cclchapter.com

केंद्रित है। 6 दिसंबर 1992 को एक राजनीतिक रैली के दौरान बाबरी मस्जिद को नष्ट कर दिया गया, जिससे पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में दंगे भड़क उठे।

The Ayodhya dispute is a political, historical, and socio-religious debate in India, centred on a plot of land in the city of Ayodhya, Uttar Pradesh. The Babri Masjid, was destroyed during a political rally on 6 December 1992 triggering riots all over the Indian subcontinent.

25.(1)विदेशी निवेशकों को अपने उद्यम स्थापित करने के लिए आमंत्रित करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) बनाए गए। (ii) 1982 और 1998 में कृषि और उद्योग का निजीकरण किया गया।

(1)Special Economic Zones (SEZs) were created to invite foreign investors to set up their own enterprises. (ii) The privatisation of agriculture and industry in 1982 and 1998.

26.1. भारत ने आर्थिक और सैन्य रूप से पूर्वी पाकिस्तान की मांग का समर्थन किया। 2. 1971 के युद्ध ने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया।

1. India supported the demand of East Pakistan financially and militarily. 2. The war of 1971 made Pakistani forces surrender in East Pakistan.

27.1 इसने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की सुरक्षा और वानिकी के संबंध में कई सम्मेलनों का आयोजन करवाया।

2. शिखर सम्मेलन में नेताओं ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन और जैविक विविधता पर घोषणा पर भी हस्ताक्षर किए।

1 It produced a number of conventions with regard to the climatic changes, protection of biodiversity and forestry.

2. The leaders at the summit also signed the Declaration on Global Climatic Change and Biological Diversity.

28.राजनीतिक वैश्वीकरण वैश्वीकरण के तीन मुख्य आयामों में से एक है, अन्य दो आयाम आर्थिक वैश्वीकरण और सांस्कृतिक वैश्वीकरण हैं।

Downloaded from cclchapter.com

Political globalization is one of the three main dimensions of globalization , with the two other being economic globalization and cultural globalization.

OR

वैश्वीकरण की प्रक्रिया निम्नलिखित का परिणाम है: 1. ऐतिहासिक कारक। 2. आईएमएफ और डब्ल्यूटीओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका। 3. उदारीकरण और निजीकरण।

The process of globalization is the result of: 1. Historical factors. 2. Role of international organizations like IMF and WTO. 3. Liberalisation and privatisation.

29.नव स्वतंत्र राष्ट्र भारत को जिन तीन समस्याओं का सामना करना पड़ा वे इस प्रकार हैं:1 बड़ी संख्या में शरणार्थियों का पुनर्वास। 2.रियासतों का एकीकरण। 3 विविधता से भरे देश की एकता सुनिश्चित करना।

The three problems that the newly independent nation of India faced are as follows:1 Rehabilitation of a large number of refugees. 2.Assimilation of princely states. 3 Ensuring the unity of a country which is full of diversity.

30. इसे "ऑपरेशन फ्लड" के नाम से भी जाना जाता था। इसकी शुरुआत वर्गीस कुरियन ने की थी. इसके परिणामस्वरूप पूरे देश में दूध के उत्पादन में भारी वृद्धि हुई। दूध उत्पादन बढ़ाने और देश को दुनिया में दूध के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बनाने की महत्वाकांक्षा के साथ भारत में श्वेत क्रांति की शुरुआत की गई थी।

It was also known as "operation flood". It was initiated by Verghese Kurien. It resulted in a large increase in the production of milk all over the country. A white revolution was initiated in India with the ambition of increasing milk production and making the country one of the largest producers of milk in the world.

31.राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत उन्हें किसी भी प्रकार की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति से सुरक्षित और संरक्षित करके कल्याण सुनिश्चित करते हैं: 1. पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से आजीविका के

Downloaded from cclchapter.com

पर्याप्त साधनों का अधिकार है। 2. उत्पादन के साधनों को केवल कुछ ही हाथों में केन्द्रित होने से रोकना। 3. संसाधनों का समान वितरण।

The directive principles of state policy ensure the welfare through securing and protecting them from any kind of social, economic and political : 1. Men and women equally have the right to adequate means of livelihood. 2. Prevent concentration and means of production into the few hands only. 3. Equal distribution of resources.

OR

श्रीमती इंदिरा गांधी की लोकप्रियता के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारक (i) 'गरीबी हटाओ' का लोकप्रिय नारा। (ii) बैंकों का राष्ट्रीयकरण। (iii) प्रिवी पर्स की समाप्ति। (iv) भूमि सुधार कानून और भूमि सीमा अधिनियम।

Major factors responsible for popularity of Indira Gandhi (i) The popular slogan of „Garibi Hatao‟. (ii) Nationalisation of Banks. (iii) Abolition of Privy Purse. (iv) Land reform laws and Land Ceiling Act.

32.1975 में भारत में आपातकाल की घोषणा "आंतरिक अशांति" के आधार पर की गई थी, जिसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत अधिकृत किया गया था। निम्नलिखित चार परिस्थितियाँ हैं जिनके तहत आपातकाल की घोषणा की गई: 1.राजनीतिक अस्थिरता 2.आर्थिक संकट 3.राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा 4.प्राकृतिक आपदा।

The proclamation of emergency in India in 1975 was based on the grounds of "internal disturbance", which was authorized under Article 352 of the Indian Constitution. The following are the four circumstances under which the emergency was proclaimed: 1.Political Instability 2.Economic Crisis 3.Threat to National Security 4.Natural Calamity.

OR

आपातकाल की अवधि को संवैधानिक संकट की अवधि के रूप में जाना जाता है क्योंकि: संसद ने संविधान में कई नए बदलाव लाए जिसमें एक संशोधन किया गया जिसमें घोषणा की गई कि प्रधान मंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती।

Downloaded from cclchapter.com

विधानमंडलों की अवधि, आपातकाल के दौरान चुनावों को एक वर्ष के लिए स्थगित किया जा सकता है जैसे संविधान में कई बदलाव लाने के लिए बयालीसवाँ संशोधन भी पारित किया गया।

The period of Emergency is referred to as the period of constitutional crisis because: The Parliament brought in many new changes in constitution which made an amendment declaring that elections of Prime Minister, President and Vice President could not be challenged in the court.

The forty second amendment was also passed to bring a series of changes in constitution like duration of legislatures, elections can be postponed by one year during emergency.

33.मिखाइल गोर्बाचेव 1985 में सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बने और सोवियत प्रणाली में सुधार के प्रयास में राजनीतिक और आर्थिक सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की। उनके निर्णय निम्नलिखित कारकों द्वारा निर्देशित थे:

1.प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे के मामले में सोवियत व्यवस्था पश्चिमी पूँजीवादी व्यवस्था से पिछड़ गई। इसलिए, पश्चिम की तकनीकी क्रांति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए सुधारों को लागू करना अनिवार्य महसूस किया गया।

2.मिखाइल गोर्बाचेव ने भी अमेरिका के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की आवश्यकता महसूस की और इस प्रकार, सुधार लाने और व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाने का निर्णय लिया।

3.सोवियत प्रणाली की विशेषता कठोरता, सख्त नौकरशाही नियंत्रण और सत्तावाद थी

Mikhail Gorbachev became the General Secretary of the Communist Party of the Soviet Union in 1985 and introduced a series of political and economic reforms in an attempt to reform the Soviet system.His decisions were guided by the following factors:

Downloaded from cclchapter.com

a. The Soviet system lagged behind the Western capitalist system in terms of technology and infrastructure. Therefore, in order to keep in pace with the technological revolution of the West, it was felt imperative to introduce reforms.

b. Mikhail Gorbachev also felt the need of normalising relations with the US, and thus, decided to bring about reforms and democratise the system.

c. The Soviet system was characterised by rigidity, strict bureaucratic control and authoritarianism.

OR

सोवियत प्रणाली अत्यधिक नौकरशाही और सत्तावादी हो गई थी, जिससे उसके नागरिकों का जीवन बहुत कठिन हो गया था। (i)सोवियत प्रणाली अत्यधिक नौकरशाही और सत्तावादी थी। (ii) लोकतंत्र का अभाव और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अभाव। (iii) सभी संस्थानों पर कड़ा नियंत्रण था और लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं था। (iv) रूस का हर चीज़ पर प्रभुत्व था और अन्य क्षेत्रों के लोग उपेक्षित और अक्सर दबे हुए महसूस करते थे।

The Soviet system, was became very bureaucratic and authoritarian, making life very difficult for its citizens. (i)The Soviet System was very bureaucratic and authoritarian. (ii) Lack of democracy and the absence of freedom of speech. (iii) Tight control over all institutions and was unaccountable to the people. (iv) Russia dominated everything and people from other regions felt neglected and often suppressed.

35.भारत की सुरक्षा रणनीति में 4 व्यापक घटक हैं जिनका उपयोग समय-समय पर विभिन्न संयोजनों में किया जाता रहा है। ये घटक हैं: सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और संस्थानों को मजबूत करना, देश के भीतर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना और अर्थव्यवस्था का विकास करना।

The security strategy of India has 4 wide components that have been used from time to time in different combinations. These components are: strengthening military capabilities, strengthening international norms and institutions, meeting security challenges within the country, and developing the economy.

Downloaded from cclchapter.com

36.प्रदूषण को नियंत्रित करने और प्रदूषकों को दंडित करने के लिए, भारत सरकार ने जल अधिनियम, वायु अधिनियम, पर्यावरण अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और वन संरक्षण अधिनियम जैसे विभिन्न अधिनियम पारित किए हैं। यह मानव की भलाई के लिए प्रकृति और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करता है।

In order to control pollution and punish the polluters, the Indian government has passed various acts such as the Water Act, the Air Act, the Environment Act, the Wildlife Protection Act and the Forest Conservation Act. This safeguards the nature and the ecosystems for the betterment of human beings.

37.भारत प्रारंभ से ही शांति को न केवल एक आदर्श के रूप में, बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए एक आवश्यक शर्त के रूप में भी चाहता रहा है।

10 वर्षों के भीतर भारत के तीन युद्धों को उसकी विदेश नीति की विफलता नहीं माना जा सकता, यह विदेश नीति की विफलता नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिति का परिणाम था। 1962, 1965 और 1971 के युद्ध में भारत आक्रमणकारी नहीं था लेकिन युद्ध भारत पर थोपे गये। भारत ने शांति और सहयोग के उपाय के रूप में चीन के साथ पंचशील समझौते और पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को आगे बढ़ाया, फिर भी 1962 में चीन द्वारा और 1965 और 1971 में पाकिस्तान द्वारा हमला किया गया।

Right from the beginning, India has desired for peace not merely as an ideal but also as an essential condition for its own security.

India's three wars within a span of 10 years cannot be regarded as the failure of its foreign policy, this was not the failure of foreign policy but was a result of international situation. India was not the aggressor in the War of 1962, 1965 and 1971 but the conflicts were inflicted on India. India forwarded the Panchsheel agreement with China and Indus Water Treaty with Pakistan as a measure of peace and cooperation yet was attacked by China in 1962 and by Pakistan in 1965 and 1971.

OR

किसी भी देश की विदेश नीति भारत की तरह राष्ट्रीय हितों का दर्पण होती है:

Downloaded from cclchapter.com

1. 1977 में गैर-कांग्रेसी सरकार के दौरान जनता पार्टी ने गुटनिरपेक्षता का ईमानदारी से पालन करने की घोषणा की। इसका तात्पर्य यह था कि विदेश नीति में सोवियत समर्थक झुकाव को ठीक किया जाएगा। तब से, सभी सरकारों ने चीन के साथ बेहतर संबंध बहाल करने की पहल की और अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए।

2. 1990 के बाद की अवधि में सत्तारूढ़ दलों की उनकी अमेरिकी समर्थक विदेश नीति के लिए आलोचना की गई। इस अवधि के दौरान रूस ने भारत का अच्छा मित्र होने के बावजूद अपनी वैश्विक श्रेष्ठता खो दी थी। इसलिए, भारत की विदेश नीति अधिक अमेरिकी समर्थक रणनीति की ओर स्थानांतरित हो गई।

3. इसके अलावा, समकालीन अंतर्राष्ट्रीय स्थिति भी सैन्य हितों की तुलना में आर्थिक हितों से अधिक प्रभावित है, इसलिए भारत की विदेश नीति पर प्रभाव पड़ा है

उदाहरणतः भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए विकास देखने को मिले हैं।

Foreign policy of any country is the mirror of national interests as in India:

1. During non-congress government in 1977, Janata Party announced to follow non-alignment genuinely. This implied that the pro-Soviet tilt in foreign policy will be corrected. Since then, all governments took initiatives to restore better relations with China and entered into close ties with the US.

2. In Post 1990 period the ruling parties were criticised for their pro-US foreign policy. During this period Russia had lost its global pre¬eminence despite it has been India's good friend. Hence, India's foreign policy shifted to a more pro-US strategy.

3. Besides, the contemporary international situation is also more influenced by economic interests than military interests so made an impact on India's foreign policy

i. e. Indo-Pakistan relations have witnessed new developments.

Downloaded from cclchapter.com

38.पंजाब समझौता 1985 में तत्कालीन प्रधान मंत्री राजीव गांधी और अकाली दल के तत्कालीन अध्यक्ष हरचंद सिंह लोंगोवाल के बीच पंजाब में सामान्य स्थिति बनाने के लिए हस्ताक्षरित एक समझौता था, जिसे 'राजीव गांधी लोंगोवाल समझौते' के रूप में जाना जाता है:

1. चंडीगढ़ को पंजाब में स्थानांतरित किया जाएगा।

2. पंजाब और हरियाणा के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक अलग आयोग नियुक्त करना।

3. पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच रावी-ब्यास नदी के पानी के बंटवारे को निपटाने के लिए एक न्यायाधिकरण का गठन करना।

4. पंजाब में उग्रवाद से प्रभावित लोगों को बेहतर इलाज के लिए मुआवजा देने हेतु सहमति प्रदान करना।

5. सशस्त्र बल विशेष शक्ति अधिनियम पंजाब को वापस लेना।

Punjab Accord was an agreement signed between the then Prime Minister Rajiv Gandhi and Harchand Singh Longowal, the then President of Akali Dal in 1985 to be known as 'Rajiv Gandhi Longowal Accord' also to create normalcy in Punjab:

1. Chandigarh would be transferred to Punjab.

2. To appoint a separate commission to resolve border dispute between Punjab and Haryana.

3. To set up a tribunal to settle down the sharing of Ravi-Beas river water among Punjab, Haryana and Rajasthan.

4. To provide agreement for compensation to better treatment to those affected by militancy in Punjab.

5. To withdraw the Armed forces special power Act Punjab.

OR

1947 से ही कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़ा विवाद बना हुआ है। बड़ी समस्या यह है कि पाकिस्तान का कहना है कि मुस्लिम बहुल होने के

Downloaded from cclchapter.com

कारण भारत में कश्मीर विभाजन के मूल आधार के ही विरुद्ध है। 1965 और 1971 के युद्ध के बाद भी इस समस्या का समाधान नहीं हो सका। **विरोध**- जम्मू-कश्मीर के बाहर के लोगों के एक वर्ग को लगता है कि अनुच्छेद 370 जो राज्य को विशेष दर्जा प्रदान करता है, भारत के साथ इसके पूर्ण एकीकरण की अनुमति नहीं देता है। इसलिए, इस वर्ग को लगता है कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू-कश्मीर को किसी भी अन्य राज्य की तरह सामान्य दर्जा दिया जाना चाहिए। उनकी तीन प्रमुख शिकायतें हैं: i. यह वादा कि आदिवासी घुसपैठियों के हमले के कारण स्थिति सामान्य होने के बाद राज्य का विलय राज्य के लोगों को सौंप दिया जाएगा, पूरा नहीं हुआ है। द्वितीय. आम धारणा है कि अनुच्छेद 370 द्वारा गारंटीकृत संघीय दर्जा वास्तव में पूरा नहीं हुआ है। इसने 'वृहद राज्य स्वायत्तता' की मांग को जन्म दिया है। iii. एक आम धारणा है कि भारत के बाकी हिस्सों में जिस तरह लोकतंत्र का चलन है, उसे जम्मू-कश्मीर में उसी तरह से संस्थागत नहीं बनाया गया है।

Ever since 1947, Kashmir has remained a major controversy between India and Pakistan. The major problem is that Pakistan says that due to Muslims majority, Kashmir, in India is against the very basis of partition. Even after the war of 1965 and 1971, this problem could not be solved.Externally, Kashmir has always been claimed by Pakistan. Opponents: One section of people outside J & K feels that Article 370 which confers special status to the state does not allow its full integration with India. This section therefore, feels that J & K should be given a normal status like any other state by abrogation of Article 370.They have three major grievances: i. The promise that accession of state would be referred to people of state after normalisation due to attack by tribal infiltrators, has not been fulfilled. Ii. There is a general perception that Federal status guaranteed by Article 370 has actually not been fulfilled. It has led to demand for 'Greater state autonomy'. Iii. There is a general feeling that democracy as practised in the rest of India has not been institutionalised in the similar way in J & K.

39. नहीं, संयुक्त राष्ट्र सामान्यतः किसी क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व के खिलाफ काम नहीं कर सकता। क्योंकि: 1. अमेरिका 1991 के बाद एकमात्र महाशक्ति रहा है और आर्थिक और सैन्य रूप से अंतरराष्ट्रीय संगठनों की उपेक्षा कर

Downloaded from cclchapter.com

सकता है। 2. इसकी वीटो शक्ति किसी भी कदम को उसके हितों को नुकसान पहुंचाने से रोक सकती है। 3. संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चयन में अमेरिका को काफी हद तक अधिकार प्राप्त है। उपर्युक्त आधारों के अलावा, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के रवैये और नीतियों के खिलाफ बहस में प्रभावी भूमिका निभा रहा है और अमेरिका के हिस्से में भी समझौते और रियायतें देता है। यूरोपीय संघ डब्ल्यूटीओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठनों में एक महत्वपूर्ण ब्लॉक के रूप में कार्य करता है लेकिन सार्क ने केवल आर्थिक रूप से सहयोग करने के लिए SAFTA की शुरुआत की है।

No, the UN can not serve against the US dominance in a comfort zone because: 1. The US has been the only superpower after 1991 and may ignore international organizations economically and militarily. 2. Its veto power can stop any move from damaging its interests. 3. The US enjoys a considerable degree of say in the selection of the UN Secretary-General. Besides the above-mentioned grounds, the UN is playing an effective role in an argument against the US attitudes and policies and makes compromises and concessions even or the part of the US. The EU performs as an important bloc in International Economic Organisations such as WTO but SAARC has initiated SAFTA only to cooperate economically among.

OR

जैसा कि 1997 के बाद सुझाव दिया गया था, नया सदस्य (i) एक प्रमुख आर्थिक शक्ति (ii) एक प्रमुख सैन्य शक्ति होना चाहिए। (iii) संयुक्त राष्ट्र के बजट में पर्याप्त योगदानकर्ता। (iv) जनसंख्या की दृष्टि से एक बड़ा राष्ट्र। (यू) एक राष्ट्र जो लोकतंत्र और मानवाधिकारों का सम्मान करता है (vi) एक ऐसा देश जो परिषद को और अधिक बनाएगा।

New member, as suggested after 1997, should be (i) A major economic power (ii) A major military power. (iii) A substantial contributor to the UN budget. (iv) A big nation in terms of its populations. (u) A nation that respects democracy and human rights (vi) A country that would make the Council more.

40.वैश्वीकरण ने अपने सकारात्मक प्रभावों के बावजूद कुछ कड़ी आलोचनाओं को भी आमंत्रित किया है। इसके महत्वपूर्ण तर्कों को इस प्रकार वर्गीकृत किया

Downloaded from cclchapter.com

जा सकता है: 1. आर्थिक: (ए) विदेशी ऋणदाताओं को शक्तिशाली बनाने के लिए बड़े पैमाने पर उपभोग की वस्तुओं पर सब्सिडी में कमी। (बी) इसने अमीरों को और अधिक अमीर और गरीबों को और अधिक गरीब बनाकर अमीर और गरीब देशों के बीच असमानता बढ़ा दी है। 2. राजनीतिक: (ए) राज्य के कल्याणकारी कार्यों को कम कर दिया गया है। (बी) राज्यों की संप्रभुता प्रभावित हुई है। (सी) राज्य अपने निर्णय लेने में कमजोर हो गए हैं। 3. सांस्कृतिक। (ए) लोग अपने सदियों पुराने मूल्यों और परंपराओं को खो देते हैं। (बी) दुनिया कम शक्तिशाली समाज पर प्रभुत्वशाली शक्ति की तरह दिखने लगती है। (सी) इससे संपूर्ण वैश्वीकरण की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सिकुड़ रही है

Globalisation has invited some strong criticisms also despite its positive impacts. Its critical arguments can be categorized as: 1. Economic: (a) Reduction in subsidies on mass consumption goods to make foreign creditors powerful. (b) It has grown disparity between the rich and the poor nations by making the rich richer and the poor more poorer. 2. Political: (a) Welfare functions of the state have been reduced. (b) The sovereignty of states has been affected. (c) States have become weak to take their own decisions. 3. Cultural .(a) People lose their age-old values and traditions. (b) The world begins to look more like the dominant power over less powerful society. (c) It leads to shrinking of rich cultural heritage of the entire globalisation

OR

वैश्वीकरण वह तरीका है जिससे दुनिया अधिक से अधिक जुड़ती जा रही है। देश दूर-दूर से एक-दूसरे से जुड़ रहे हैं, वे एक-दूसरे पर अधिक निर्भर (परस्पर निर्भरता) हो रहे हैं। पूंजी, लोगों, वस्तुओं और सूचनाओं का प्रवाह दुनिया भर में अपना रास्ता बना रहा है। वैश्वीकरण का तात्पर्य वैश्विक अर्थव्यवस्था, उद्योगों के एकीकरण से है। बाजार, संस्कृति और नीतियां दुनिया भर को सामाजिक-राजनीतिक नियंत्रण से मुक्त बनाती हैं और व्यापार, संचार, आप्रवासन और परिवहन के वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से क्षेत्रों/देशों के बीच दूरियों को कम करती हैं।

Downloaded from cclchapter.com

Globalisation is the way that the world is becoming more and more connected. Countries are connecting with each other from far away places, they are becoming more reliant on each other (interdependence), flows of capital, people, goods and information are moving their way around the world.Globalisation refers to the integration of global economics, industries, markets, culture and policies making around the world free from socio-political control and reduces distances between regions/countries through a global network of trade, communication, immigration, and transportation.

Downloaded from cclchapter.com